NIOS/Acad./2020/225/01/H

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक पाठ्यक्रम- चित्रकला
पाठ-1 : इतिहास एवं कला समीक्षा(3000 ई.पू.से 600 ई. तक)
कार्यपत्रक-1

1. 'अशोक काल भारतीय कला का ख़ज़ाना है'। एक वाक्य में सिद्ध कीजिये ।
2. '3000 ई.पू. से लोक कला की प्रचलित परम्परा भी विद्यमान थी'। लोक कला की एक कलात्मक विशेषता दीजिये।

3. कला केंद्रों से आप क्या समझते हैं तथा किसी एक की पहचान कीजिये ।

4. 'आकृतियां गुप्त काल की शैलीगत छाप बन गयी थीं'। इस कथन को सिद्ध कीजिये और ऐसी दो आकृतियों की पहचान कीजिये ।

5. नर्तकी का अवलोकन विचित्र भंगिमा के रूप में होना है। इसका क्या तात्पर्य है?

6. हड़प्पा काल की धातु ढलाई और कलात्मक परिष्करण के कौशल को दर्शाती हुई आकृति की पहचान करें। धातु ढलाई के लाभ एवं कमियां क्या हैं?

7. अजंता चित्रों के छंदात्मक गुण से आप क्या समझते हैं तथा इस प्रकार के एक चित्र की पहचान कीजिये।

8. अजंता चित्रों के विषय सामान्यतया धार्मिक प्रकृति के थे। अजंता चित्रकला के अन्य विषय कौन से हैं?

9. रामपूर्वा बुल कैपिटल (शीर्ष) मूर्ति के कलात्मक निरूपण का उल्लेख कीजिये ।

10. मौर्य काल की मूर्तिकला में समकालीन शैली अधिक दिखाई देती है, इस समकालीन शैली के विषय में लिखिए ।